Skill Development Programme

For Answer Writing

Ethics (Model Answer)

DATE : 01 Aug, 2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- राज्य द्वारा बाजार की स्थापना का उद्देश्य 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की अवधारणा पर आधारित था, परन्तु व्यवहार में यह इसके विपरीत साबित हुई है। उपरोक्त कथन के आलोक में सुधार हेतु राज्य के वर्तमान कार्यों तथा प्रयासों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करें। (250 शब्द, 15 अंक)

The objective for the formation of government by the state was based on the concept of 'Bahujan Hitay, Bahujan Sukhay', but it proved to be opposite in practical. In the light of above statement, briefly present a framework of the functions and efforts of state for reforms. (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- **भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-**

व्यवस्था स्थापन के रूप में राज्य अपने सीमित संसाधनों के द्वारा सभी तक पहुँचने में सक्षम नहीं है। ऐसे में उसके द्वारा बाजार नामक अवधारणा को मूर्त रूप देना, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा के माध्यम से कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता की सेवाएँ उपलब्ध कराना, परंतु व्यवहार में यह सभी क्षेत्रों में लाभ अर्जन का माध्यम के रूप में स्थापित हो गया जिसके समाधान हेतु राज्य द्वारा समुचित प्रयास किया गया।

मुख्य विषय वस्तु-

- बाजार एक पूँजीवादी संकल्पना पर कार्य करने लगा है, जिसके कारण समाज में सभी क्षेत्रों में असमानता बढ़ी है, क्योंकि बाजार माँग एवं पूर्ति पर बल देता है, न कि आवश्यकता एवं पूर्ति पर।
- बाजार ने अपनी पूँजी और तकनीकि के बल पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन किया है जिससे न केवल प्रकृति प्रभावित हुई है, बल्कि आने वाली पीढ़ी का भविष्य भी प्रभावित होता दिख रहा है। सभी क्षेत्रों में असमानता बढ़ना स्वभाविक है।
- दूसरी तरफ नौकरशाही में नैतिक मूल्यों की कमी ने बाजारीकरण को और प्रभावी बनाने में सहायक की भूमिका में देखा गया है।

राज्य का प्रयास-

- मनरेगा के माध्यम से राज्य ने क्रय क्षमता बढ़ाने का प्रयास किया है।
- प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण के माध्यम से सबके लिए सुरक्षित आवास का प्रयास।
- दीन दयाल अंत्योदय योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक, महिला तथा संवेदनशील वर्गो को आजीविका सुनिश्चित करने का प्रयास।
- खाद्यान्न वितरण प्रणाली के माध्यम से कम कीमत पर खाद्यान्नों का वितरण द्वारा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास।
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं तक पहुँच सुनिश्चित करना।
- मध्याहन भोजना योजना के द्वारा शिक्षा और पोषण सुनिश्चित करना।
- भावी आयुष मिशन के माध्यम से स्वास्थ्य का देखभाल सुनिश्चित करना।
- कार्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिल्टी के माध्यम से पूँजीपति वर्ग का सामाजिक उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना इत्यादि।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *